हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय स्वाभिमान

RNI No. : MAHHIN/2008/24084. www.rashtriyaswabhimaan.in

पेज-4 | वर्ष: 16 • अंक: 52 • मुंबई, शनिवार 28 सितंबर 2024 • पृष्ठ: 4 • मूल्य: 1 रुपये

अवैध पाइपलाइन बिछाने पर सायजिंग कंपनी के मालिक और मैनेजर पर मामला हुआ दर्ज

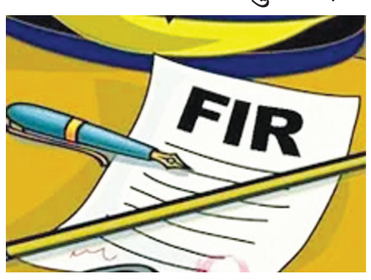

न्यूज डायरी

खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट में एक बच्चे की मौत

इस्लामाबाद। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को एक पुलिस थाने में जबर्दस्त विस्फोट हुआ, जिसमें एक बच्चे की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं।यह घटना पेशावर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्वाबी पुलिस थाने में हुई। केंद्रीय पुलिस कार्यालय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, विस्फोट पुलिस थाने की पहली मंजिल पर स्थित डिपो के अंदर 'शॉर्ट सर्किट के कारण' हुआ। बचाव और अग्निशमन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों को बाचा खान मेडिकल अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कई लोग घायल हुए हैं और इमारत का ऊपरी हिस्सा ढह गया है।अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने पार्टी नेतृत्व को निर्देश दिया कि वह सरकार के साथ सभी तरह की बातचीत तुरंत बंद करे। उन्होंने कहा कि ऐसी बातचीत केवल उनके विरोधियों को मजबूत करती है।

तालिबान के खिलाफ कार्यवाही की तैयारी

काबुल। बीस से अधिक देशों ने तालिबान के खिलाफ प्रस्तावित कानूनी कार्रवाई के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। देशों ने कहा, हम अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन और दुर्व्यवहार की निंदा करते हैं। यह संधि के दायित्वों का घोर उल्लंघन है।अफगानिस्तान में महिलाओं के साथ सख्ती तालिबान को भारी पड़ने वाली है, क्योंकि लैंगिक भेदभाव और मानवाधिकारों के मुद्दे पर अफगान नेतृत्व के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की तैयारी चल रही है। महिलाओं पर संयुक्त राष्ट्र संधि का उल्लंघन करने के आरोप में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी और नीदरलैंड ने तालिबान को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में चुनौती देने का फैसला किया है।

व्हाइट हाउस इजराइल के रुख से निराश

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने लेबनान में युद्धविराम की अपील पर इजराइल के रुख से निराशा जताई है। इस बीच लेबनान में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के हवाई हमले जारी हैं। इन हमलों में मारे गए लोगों की संख्या 700 पार कर गई है।द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने युद्ध विराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कल संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे। उन्होंने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि वे नए युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए इच्छुक हैं।

जापान में सत्तारूढ़ दल आज चुनेगा निवर्तमान प्रधानमंत्री किशिदा का उत्तराधिकारी

टोक्यो। यह हैं उम्मीदवार... सबसे ऊपर की पंक्ति में बाएं से पूर्व पर्यावरणमंत्री शिंजिरो कोइजुमी, पूर्व रक्षामंत्री शिगेरु इशिबा और आर्थिक सुरक्षामंत्री साने ताकाइची। बीच की पंक्ति में बाएं से विदेशमंत्री योको कामिकावा, डिजिटलमंत्री तारो कोनो और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के महासचिव तोशिमित्सु मोटेगी। जापान में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी आज अपना नया नेता चुनेगी। इस बार रिकॉर्ड नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें से कोई एक निवर्तमान प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की जगह लेगा।

दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर के चुनावी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस, पीडीपी व नेकां को लताड़

उत्तर प्रदेश नहीं, उत्तम प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ

कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो खून की नदियां बहेंगी। हमने कहा कि नए भारत में खून की नदियां नहीं बहती हैं, बल्कि यह अपनी सुरक्षा करना जानता है।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

एजेंसी

जम्मू। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोग बचपन में गाते रहे हैं कि बिना सिंध के हिंद कहां है, रावी बिन पंजाब नहीं, गंगा आखिर खुश हो कैसे, जब तक संग चिनाब नहीं। भारत सरकार ने 1960 के सिंधु बंटवारे की समीक्षा का आदेश देते हुए टो टूक कहा है कि वॉटर एंड टेरिरिज्म डोंट फ्लो टूगेदर यानी आतंकवाद और सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता। अभी तक पाकिस्तान के हाथों में कटोरा आया है, अब वह एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने वाला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के प्रचार में पहुंचे। शुक्रवार को उन्होंने रामनगर से उम्मीदवार सुनील भारद्वाज, उधमपुर ईस्ट से प्रत्याशी रणवीर सिंह पठानिया, कठुआ से

प्रत्याशी भारत भूषण, किश्तवाड़ से उम्मीदवार शगुन परिहार के लिए कमल खिलाने की अपील की। सीएम योगी को देखने-सुनने के लिए दोनों जनसभा में जबर्दस्त भीड़ उमड़ी। सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान आज दो कारणों से परेशान है। पहला तो वह अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। बलूचिस्तान कहता है कि हमें पाकिस्तान में नहीं रहना है, क्योंकि वहां की हुकूमत हमें विदेशी कहती है। पाक अधिकृत कश्मीर भी कहता है कि हमें अब पाकिस्तान हुकूमत नहीं चाहिए। भूखों मरने से अच्छा है कि जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनकर अखंड भारत के सपनों को साकार बनाने में सहभागी बनेंगे। सीएम ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की शह पर आतंक फैलाने वालों को न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दफन करने के लिए दो गज जमीन ही नसीब होगी। पाकिस्तान परस्त आतंकी जानते हैं कि आतंकवाद की कीमत किस रूप में चुकानी पड़ेगी। तीन भागों में बंट जाएगा, पाकिस्तान का अता-पता नहीं चलेगा।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश नहीं, उत्तम प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश को न सिर्फ उत्तम प्रदेश बना दिया, बल्कि वहां के कानून व्यवस्था को भी सुदृढ़ कर दिया। पूरा हिंदुस्तान उत्तम प्रदेश की मिसाल देता है। योगी आदित्यनाथ लाखों, करोड़ों हिंदुस्तानियों के आदर्श बन चुके हैं। जो जैसे समझता है, उसे वैसे ही समझाते हैं। यह महाराज भी हैं, मंत्रोच्चार भी करते हैं और यदि कोई जमीन हड़पता है तो बुलडोजर भी चलाते हैं। खराब मौसम के बावजूद सीएम योगी अपना वादा पूरा कर यहां आए। यहां ऐसे शख्सियत आए हैं, जिन्होंने पीएम मोदी के दिशानिर्देश में राम मंदिर का निर्माण कराया है।

जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री व उधमपुर के सांसद

अग्निवीरों को नौकरी में 15 फीसदी आरक्षण देगी ब्रह्मोस

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और रूस के संयुक्त वेंचर ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड ने फैसला लिया है कि वह अपनी कंपनी में कम से कम 15 फीसदी तकनीकी पदों को अग्नीवीरों के लिए आरक्षित करेंगे। सरकार की तरफ से कई संगठनों में अग्नीवीरों को प्राथमिकता देने की बात की गई है लेकिन किसी प्राइवेट कंपनी की तरफ से पहली बार ऐसा फैसला लिया गया है। कंपनी की तरफ से बताया गया कि तकनीकी पदों के अलावा प्राशसनिक और सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से भी अग्निवीरों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। फर्स्ट पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल बनाने वाली यह कंपनी अग्निवीरों के लिए अपने सामान्य कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम से अलग हटकर काम करते हुए उन्हें आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत शामिल करेगी। इसके साथ- साथ कंपनी अपने व्यापार से जुड़े बाकी सहयोगी संगठनों को भी अग्निवीरों को अपने यहां काम पर रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार द्वारा सेना में भर्ती के लिए सामान्य प्रक्रिया को हटाकर 2022 से अग्निवीर योजना को शुरू किया गया था, जिसमें भर्ती होने वाले युवा को चार साल की अवधि के लिए सेना में अपनी सेवाएं देते हैं इस दौरान वह सैन्य रणनीतियों के अलावा तकनीकी दक्षता भी प्राप्त करते हैं। कंपनी के सीईओ ने पोस्ट से बात करते हुए बताया कि अग्नीवीर जब सेना में शामिल होते हैं तो उन्हें एक बेहतर प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरना होता है जो उन्हें मजबूत बनाता है। जब हम उन्हें अपने यहां काम पर रखेंगे तो हमें उनकी ट्रेनिंग के लिए अलग से खर्च नहीं करना होगा।

हर खाते में आएंगे 1 लाख रुपए!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार लोगों के उत्थान के लिए अपनी ओर से कई तरह की योजनाएं चलाती रहती है। इसमें हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं लॉन्च की जाती हैं। किसान हो या फिर युवा या फिर महिलाएं हर किसी के लिए कोई न कोई योजना चलाई जा रही है। इसी कड़ी में छात्रों के लिए भी सरकार काफी गंभीर नजर आ रही है। छात्रों को लाभ पहुंचाने के लिए अब सरकार की ओर से बड़ा ऐलान किया गया है। इसके तहत छात्रों के खाते में 1 लाख रुपए तक देने की बात कही गई है। इस योजना का नाम अनुप्रति योजना है। आइए जानते हैं इसके बारे में सबकुछ।

अनुप्रति योजना की शुरुआत राजस्थान सरकार की ओर से की गई

है। इसमें छात्रों को पढ़ाई के लिए एक लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दी जाती है। ये योजना एक खास योजना के अंतर्गत आती है। इसका नाम है देवनारायण योजनो। इस योजना के तहत जिन स्टूडेंट्स को लाभ दिया जाता है उनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विशेष पिछड़ा वर्ग शामिल है। इनके परिवार की आय को लेकर भी एक क्राइटिरिया है। ये लाभ ऐसे परिवार के लोगों को ही दिया जाता है जिनकी वार्षिक आय 2 लाख रुपए से ज्यादा नहीं है। इस योजना के तहत लाभ लेने के इच्छुक उम्मीदवार प्रतियोगी परीक्षा में पास होने के 90 दिन के अंदर इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जिला अधिकारी के पास संबंधित डॉक्यूमेंट जिनकी आवश्यकता होती है।

किन छात्रों को मिलता है लाभ

अनुप्रति योजना के तहत जो स्टूडेंट्स आईएस प्रीलिम्स पास कर लेते हैं उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए सरकार की ओर से खाते में 1 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद की जाती है। इसके अलावा जो स्टूडेंट्स आरएएस की एग्जाम पास करते हैं उन्हें भी आगे की पढ़ाई के लिए सरकार 50000 रुपए तक की आर्थिक मदद करती है।

तेलंगाना मंत्री श्रीनिवास रेड्डी के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार के मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के ठिकानों पर रेड डाली। मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर छापेमारी की जा रही है। ईडी की ओर से यह कार्रवाई कथित कस्टम ड्यूटी के उल्लंघन से जुड़े मामले में की जा रही है।

ईडी की जांच कस्टम विभाग के चेन्नई कार्यालय द्वारा शुरू की गई थी, जिसमें मंत्री के बेटे पी. हर्षा रेड्डी के दो लग्जरी घड़ियों की खरीद के संबंध में संज्ञान लिया गया था। यह घड़ियां 1.7 करोड़ रुपये की थीं और कस्टम विभाग ने हर्षा रेड्डी को इस मामले में समन जारी किया था।कस्टम विभाग की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है कि इन महंगी घड़ियों को हांगकांग से सिंगापुर तस्करी कर पहुंचाया था। जब एक डीलर सिंगापुर से लौट रहा था, तब कस्टम विभाग ने इन घड़ियों को जब्त कर लिया। जब्त घड़ियों में एक पैटेक फिलिप 5740 और एक बरेगेट 2759 शामिल हैं।ईडी की जांच में इस बात का भी खुलासा हुआ है कि इन घड़ियों की खरीद के लिए क्रिप्टोकरेंसी और हवाला का इस्तेमाल किया गया था। ईडी जांच में इस बात की जानकारी मिली।इस बीच, ईडी की ओर से की जा रही इस छापेमारी के दौरान घर के अंदर और बाहर किसी को आने-जाने की अनुमति नहीं दी गई है। मुख्य दरवाजे को भी बंद कर दिया गया है।

केंद्र सरकार ने आधार और पैन डेटा दिखा रही कुछ वेबसाइट्स को किया ब्लॉक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से व्यक्तिगत संवेदनशील जानकारी जैसे आधार और पेन का डेटा दिखाने वाली कुछ वेबसाइट्स को ब्लॉक कर दिया है।आईटी मंत्रालय को इस बात की जानकारी दी गई कि कुछ पोर्टल्स द्वारा नागरिकों की संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक की जा रही है। आधार जारी करने वाली सरकारी एजेंसी भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की ओर से पुलिस प्रशासन के पास आधार एक्ट 2016 की आधार 29(4) के तहत आधार की जानकारी सार्वजनिक तौर पर दिखाने के लिए मुकदमा दर्ज

कराया गया है।इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-आईएन) की ओर से इन वेबसाइट का एनालिसिस किया गया है, जिसमें इन वेबसाइट की सुरक्षा में कुछ कमियां पाई गईं।इन वेबसाइट्स के मालिकों को आईसीटी बुनियादी ढांचे में सुधार और कमजोरियों को ठीक करने के लिए उनके स्तर पर की जाने वाली कार्रवाइयों के बारे में गाइडेंस भी प्रदान किया गया था।

इंडियन साइबर एजेंसियों की ओर से आईटी एप्लीकेशन का उपयोग करने के लिए सभी संस्थाओं के लिए गाइडेंस जारी की गई हैं।इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 (आईटी एक्ट) के तहत सीईआरटी-आईएन द्वारा सूचना सुरक्षा प्रथाएं, प्रक्रिया, रोकथाम, प्रतिक्रिया और साइबर घटनाओं को रिपोर्ट करने के दिशानिर्देश जारी किए जा चुके हैं।

आईटी एक्ट में संवेदनशील निजी जानकारी के गैर-प्रकाशन और गैर- प्रकटीकरण का प्रावधान है।

ज्ञानवापी पर आदेश देने वाले जज को धमकी देने के आरोपी को मिली जमानत

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

लखनऊ। एनआईए कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण करने का आदेश देने वाले तत्कालीन न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर को धमकी देने के आरोपी भोपाल निवासी अदनान खान की सशर्त जमानत अर्जी स्वीकार कर ली है। कोर्ट विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने जमानत आदेश में कहा कि आरोपी के विरुद्ध लगाई गई सभी धारा में सात साल से कम सजा का प्रावधान है। अभियोजन उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं दिखा सका। आरोपी 4 जून 2024 से जिला कारागार में बंद है तथा परिस्थितियों को देखते हुए उसे सशर्त जमानत पर रिहा किया जाता है।

अभियोजन की ओर से अदालत को बताया गया कि वर्तमान में बरेली की फास्ट ट्रैक कोर्ट में तैनात न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर वर्ष 2022 में ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के मामले की सुनवाई कर रहे थे। उस समय एक पक्षकार(वादी) के अनुरोध पर न्यायाधीश दिवाकर ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। जिससे नाराज होकर भोपाल निवासी अदनान खान ने इंस्टाग्राम पर जज को धमकी देते हुए एक फोटो पोस्ट की थी।पोस्ट में लिखा गया था कि काफिरों का खून आपके लिए हलाल है जो आपके दीन के खिलाफ लड़ते हैं। इस फोटो पर न्यायाधीश के चेहरे पर आंखों के ऊपर लाल रंग में काफिर शब्द लिखा गया था।

पुलिस और ग्रामीणों में भिड़ंत

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा कोतवाली क्षेत्र के गांव तरफ दलपत में शुक्रवार को ग्रामीण की संदिग्ध हालात में मौत के बाद हंगामा हो गया। दरअसल, लोकेश उर्फ मोनू सैनी (27) की ट्रैक्टर के नीचे दबने से मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना के लिए स्थानीय पुलिस को जिम्मेदार बताया है।उनका आरोप है कि पुलिस ने अवैध वसूली के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेर लिया और जीप की हवा निकाल दी। इसके बाद पथराव भी हुआ। भीड़ के हमले में एक सिपाही घायल हो गया। उसे अस्पताल भेजा गया है।घटना के बाद

आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस टीम को घेर लिया। उन पर पथराव करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस ने जबरन ट्रैक्टर चालक को रुकने पर मजबूर किया। ग्रामीणों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

गुस्साए ग्रामीणों ने ठाकुरद्वारा-जसपुर रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया और पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की। उन्होंने पुलिस पर खनन की अवैध वसूली का आरोप लगाया। कहा कि पुलिस आए दिन उनसे जबरन वसूली करती है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती वह शांत नहीं बैठेंगे।हंगामा बढ़ता देख मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हाजी अली दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

मुंबई। महाराष्ट्र में विश्वप्रसिद्ध हाजी अली दरगाह को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

सूत्रों के अनुसार दरगाह के आसपास वर्दी और सादे कपड़ों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आज जुमे की नमाज के दौरान दरगाह के प्रवेश और निकास द्वार पर विशेष व्यवस्था की गई थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक हाजी अली दरगाह ट्रस्ट के प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद अहमद ताहिर शेख ने गुरुवार को अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन करके दरगाह के अंदर बम लगाने और उसे उड़ाने की धमकी देने के बाद शिकायत दर्ज करायी थी।

विशेष अदालत से मिली विदेश यात्रा की मंजूरी खारिज

एजेंसी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत द्वारा पारित उस आदेश को रद्द कर दिया। जिसमें शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति दी गई थी। इस मामले में सीबीआई की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। जिसमें सीबीआई ने अंदेशा जताया था कि, गंभीर अपराध में आरोपी इंद्राणी मुखर्जी विदेश से भाग सकती हैं। न्यायमूर्ति श्याम चांडक की सिंगल बैंच ने विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका को इस आधार पर स्वीकार किया कि, इंद्राणी मुखर्जी एक गंभीर अपराध में मुकदमे का सामना कर रही हैं और उनके देश से भागने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि, याचिका स्वीकार की जाती है। विवादित आदेश को रद्द किया जाता है। इसे इंद्राणी के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा हैविशेष सीबीआई अदालत ने 19 जुलाई को इंद्राणी मुखर्जी को अगले तीन महीनों के दौरान बीच-बीच में दस दिनों के लिए एक बार यूरोप (स्पेन और यूके) की यात्रा करने की अनुमति दी थी। मुखर्जी ने विदेश यात्रा की परमिशन यह कहकर मांगी थी कि, तलाक के बाद उन्हें बैंक से संबंधित कुछ दस्तावेजों में बदलाव करने और अन्य सहायक कार्यों की जरूरत है।

संसदीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस समिति के अध्यक्ष पद पर सांसद सुनील तटकरे का चयन

मुंबई: देश की संसदीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस समिति के अध्यक्ष पद पर राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे का चयन किया गया। इस संबंध में उन्हें सभी ओर से बधाई दी जा रही है। देश में सबसे तेजी से बढ़ती मांग, आपूर्ति और आर्थिक वृद्धि दर वाले पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में सुनील तटकरे को यह सम्मानजनक पद मिला है। यह महाराष्ट्र और रायगढ़ के लिए गर्व की बात मानी जा रही है। राज्यसभा और लोकसभा के 31 सांसद इस समिति में शामिल हैं, और रायगढ़ के सांसद सुनील तटकरे इसके अध्यक्ष बने हैं। वर्तमान में देश के सभी क्षेत्रों में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि हो रही है। इस क्षेत्र की वार्षिक वृद्धि दर लगभग 3 से 5 प्रतिशत है। देश की

आर्थिक वृद्धि दर में इस क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और संबंधों के मामले में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र का विशेष महत्व है। आयात-निर्यात नीति, आधारभूत ढांचे और औद्योगिक वृद्धि दर में यह क्षेत्र अग्रणी है। इसलिए देश की प्रगति और समृद्धि की नींव के रूप में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस महत्वपूर्ण माने जाते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र को देश की आर्थिक प्रगति का 'ईंधन और इंजन' माना जाता है। इसीलिए, महत्वपूर्ण संसदीय समिति के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सांसद सुनील तटकरे के पास आने से इसे महाराष्ट्र का सम्मान बताया जा रहा है।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के दौरान चलाई जाएंगी 6000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली: दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 6000 से अधिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक़ हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें 6000 से अधिक फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। पिछले वर्ष भी भारतीय रेल द्वारा बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था और इन ट्रेनों ने कुल 4,429 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से लाखों की संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी। जाहिर है कि हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो-तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती हैं। इसी को देखते हुए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी त्योहारों के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

सम्पादकीय

टॉप कमांडर खाली

इजरायली एजेंसियों के कारनामे हमेशा चर्चा में रहते हैं। माइकल बेन जोहार और निसिम मिसाल ने अपनी किताब मोसाद में लिखा है कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्टेट को कुछ न कुछ ऐसा करना पड़ता है जो लोकतांत्रिक नहीं होता। ये सच है कि इसकी हदें अक्सर पता नहीं चलती। इसलिए आपको सबसे बेहतरीन लोगों को चुनना होता है। सबसे गंदे काम सबसे ईमानदार लोगों से कराए जाने चाहिए।

वेस्ट एशिया के पश्चिमी छोर पर बसा हुआ देश इजरायल भूमध्य सागर से इसकी सीमाएं लगती हैं। बाकी तीन दिशाओं में अरब देश हैं। नार्थ में लेबनना और सीरिया, ईस्ट में जॉर्डन और साउथ में इजिप्ट है। इजरायल का जिक्र होता है तो इसकी खुफिया एजेंसी मोसाद का भी जिक्र आम है। सबसे सटीक या चकित करने वाला ऑपरेशन उसे माना जाता है जब किसी ऐसी चीज को हथियार बनाया जाए, जिसकी कल्पना भी मुश्किल हो। इस संदर्भ में इजरायली एजेंसी मोसाद के किस्से आम हैं। इजरायली एजेंसियों के कारनामे हमेशा चर्चा में रहते हैं। माइकल बेन जोहार और निसिम मिसाल ने अपनी किताब मोसाद में लिखा है कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्टेट को कुछ न कुछ ऐसा करना पड़ता है जो लोकतांत्रिक नहीं होता। ये सच है कि इसकी हदें अक्सर पता नहीं चलती। इसलिए आपको सबसे बेहतरीन लोगों को चुनना होता है। सबसे गंदे काम सबसे ईमानदार लोगों से कराए जाने चाहिए। इजरायल एक साल से युद्ध लड़ रहा है। एक ओर हमास से उसकी लड़ाई जारी है तो दूसरी ओर हिजबुल्ला पर भी इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। हाल ही में लेबनान में पेजर वॉकी टॉकी ब्लास्ट से दहशत फैली थी। हिजबुल्ला अभी संभलता कि एक बार फिर इजरायल ने फाइटर जेट से लेबनान में मिसाइल बम अटैक करके उसे पूरी तरह से बैकफुट पर कर दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान के लोगों को दूसरी चेतावनी भी जारी की, जिसमें उनसे खतरे से दूर रहने का आग्रह किया गया। एक्स पर एक पोस्ट में इजरायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम हिजबुल्लाह पर हमले जारी रखेंगे। जिस किसी के लिविंग रूम में मिसाइल और गैरेज में रॉकेट होगा, उसके पास घर नहीं होगा। इजरायल अपने सटीक हमले में हिजबुल्ला के टॉप कमांडरों को भी निशाना बना रहा है। ताजा उदाहरण इब्राहिम कुबैसी का है। 24 सितंबर को इजरायल की तरफ से किए गए हमले में उसकी मौत हो गई। ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसे इज़राइल हिजबुल्लाह की कमर तोड़ रहा है और उसके टॉप लीडर्स की सूची को खाली कर रहा है।इजराइली सेना ने कहा है कि उसने बेरूत पर एक हमले में हिजबुल्ला की मिसाइल और रॉकेट इकाई के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इब्राहिम कोबेसी मारा गया तथा वह इजराइल की ओर मिसाइल और रॉकेट हमले करने के लिए जिम्मेदार था। इजराइली सेना ने कहा कि हमले के समय कोबेसी के साथ अन्य प्रमुख कमांडर भी थे, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि इसमें क्या कोई अन्य मारा गया या घायल हुआ है। इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कुबैसी को हिज़्बुल्लाह के रॉकेट और मिसाइल डिवीजन का प्रमुख बताया। आईडीएफ ने कहा पिछले कई सालों से और युद्ध के दौरान, वह इज़राइली होम फ्रंट पर लॉन्च के लिए ज़िम्मेदार था। उसे हिज़्बुल्लाह के वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व का करीबी भी बताया गया। इजराइल का दावा है कि कुबैसी 1980 के दशक में हिजबुल्लाह में शामिल हो गया था और उसने बद्र क्षेत्रीय प्रभाग के प्रमुख सहित विभिन्न भूमिकाओं में काम किया था। आईडीएफ ने यह भी कहा है कि यह कुबैसी ही था जिसने 2000 में माउंट डोव में अपहरण हमले की योजना बनाई थी। इस ऑपरेशन में आईडीएफ के स्टाफ सार्जेंट बेन्यामिन अवराम, स्टाफ सार्जेंट आदि अवितान और स्टाफ सार्जेंट उमर सवैद की जान चली गई थी। वाईनेट न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार कुबैसी को हाल ही में हिज़्बुल्लाह के महासचिव हसन नसरल्लाह को सीधे रिपोर्ट करने के लिए नियुक्त किया गया था।आईडीएफ ने लेबनान पर हवाई हमले भी किए थे, अधिकारियों ने कहा कि यहूदी राष्ट्र हिजबुल्लाह के दक्षिणी मोर्चे के कमांडर अली कराकी को निशाना बना रहा था। उन्हें हिजबुल्लाह के शीर्ष सैन्य निकाय जिहाद परिषद का सदस्य भी कहा जाता है। एक लेबनानी अधिकारी ने स्काई न्यूज अरेबिया को बताया कि कराकी हमले में मारा गया, हिजबुल्लाह ने कहा कि हत्या का प्रयास विफल रहा और उसे सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया है।बीते हफ्ते लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों के कुछ ही दिनों बाद, इज़राइल ने बेरूत में एक आवासीय क्षेत्र को निशाना बनाया और हिज़्बुल्लाह के दो शीर्ष सैन्य कमांडरों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को मार डाला। मारे गए लोगों में से एक इब्राहिम अकील था, जो हिजबुल्लाह के राडवान फोर्स का एक टॉप लीडर भी था। आईडीएफ ने हत्या की पुष्टि करते हुए कहा कि इब्राहिम अकील के हाथों पर इजरायली, अमेरिकी, फ्रांसीसी, लेबनानी और कई अन्य निर्दोष लोगों का खून लगा था।

शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर

राष्ट्रीय स्वाभिमान डेस्क

> आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। ÷एशिया पावर इंडेक्स 2024÷ नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।
>
> एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।
>
> उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर ÷क्वाड÷ के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनो की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ौसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है।

सरोकार

विकसित भारत के लिए पर्यटन

राष्ट्रीय स्वाभिमान डेस्क

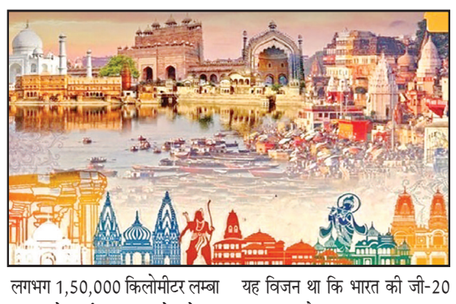

एक दशक पहले तक भारतीय पर्यटन को पर्यटन क्षेत्र में अन्य देशों के समकक्ष या उनसे आगे स्थापित करने के लिए भी एक ब्रांड एम्बेसडर की जरूरत सामान्य बात थी। जिस तरह अन्य देश अपने देश के पर्यटन के प्रचार-प्रसार के लिए सुविख्यात फिल्मी सितारों और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों पर विज्ञापन राशि खर्च कर रहे थे उसी तरह यहाँ भी यह महसूस किया गया कि अतुल्य भारत को एक नया रूप दिए जाने की आवश्यकता है।पिछले एक दशक और पिछले 100 दिनों से भारत के केन्द्रीय पर्यटन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए मैंने सभी को यह कहते सुना कि इस देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि हमारे बीच एक ऐसे नेता हैं जो न केवल हमारे प्रधानमंत्री हैं बल्कि वे अतुल्य भारत के सबसे बड़े वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर और हिमायती हैं। अपनी हर भूमिका में, वे भारत की बेहतरी के लिए काम करते हैं।एक प्रधानमंत्री के रूप में वे निरंतर हमें यह याद दिलाते हैं कि हमें देश में पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास के लिए 'सरकार के प्रत्येक स्तर' पर कार्य करना है। लगभग 1,50,000 किलोमीटर लम्बा सड़क नेटवर्क बनाए जाने, बेहतर हवाई कनेक्टिविटी के लिए 500 नए हवाई रुट और 150 हवाईअड्डे शुरू किए जाने, तेज गति वाली वंदेभारत ट्रेनों की शुरूआत और लगभग 100 पर्यटन परियोजनाओं को पूरा किए जाने के परिणामस्वरूप भारत में 250 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राएं (डीटीवी) दर्ज की गईं जो वर्ष 2014 में भारत द्वारा दर्ज 128 करोड़ घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) का लगभग दोगुना है ।इस राष्ट्र के वैश्विक प्रतिनिधि के रूप में वे अतुल्य भारत के विस्मयकारी पहलुओं को विश्व के समक्ष रखने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। उनके नेतृत्व में भारत की जी-20 अध्यक्षता इस मायने में अनूठी रही कि इन बैठकों का आयोजन देशभर के 60 अलग-अलग स्थानों पर किया गया। प्रधानमंत्री का यह विजन था कि भारत की जी-20 अध्यक्षता को माध्यम बनाकर इन 60 गंतव्यों की पर्यटन पेशकशों के साथ-साथ उनकी संस्कृति, क्विज़ीन तथा शिल्प की वैश्विक मंच पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पिछले वर्ष जी-20 के कारण पर्यटन में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप वर्ष 2023 में भारत के पर्यटन क्षेत्र में होटल के नए कमरे सबसे अधिक संख्या में बनाए गए।

एक जन-नायक के रूप में उन्होंने विश्व की यात्रा पर निकलने से पहले अपने देश भारत को देखने-समझने के लिए राष्ट्र को 'देखो अपना देश' के लिए प्रेरित किया है। स्वच्छता के महत्व की सीख देकर उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उत्तरदायी पर्यटन हम सभी का सहज स्वभाव बन जाए। हर अवसर पर वे वैश्विक प्रवासी भारतीयों को अतुल्य भारत का प्रतिनिधि बनने की उनकी भूमिका निरंतर याद दिलाते हैं कि वे अपने विदेशी मित्रों और परिचितों को इस बात की जानकारी दें कि भारत की यात्रा किस प्रकार उनके लिए अविस्मरणीय हो सकती है। सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले वैश्विक नेताओं में से एक के रूप में उनके द्वारा लक्षद्वीप, काजीरंगा, कन्याकुमारी, श्रीनगर और अन्य कई स्थलों की यात्रा करने मात्र से घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों में ऐसे गंतव्यों की यात्रा करने और भारत की कम लोकप्रिय पर्यटन पेशकश का अनुभव करने की अभूतपूर्व रुचि देखी गई है।पर्यटन में प्रधानमंत्री की निजी रूचि और भागीदारी को और अधिक स्पष्ट करने के लिए मैं आप सबको यह बताना चाहूंगा कि उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के पर्यटन विभाग में मुझे अपनी सेवा प्रदान करने का अवसर देते समय कहा था कि वे मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप रहे हैं।

तब से मेरा निरंतर यह प्रयास रहा है कि समावेशी सामाजिक-आर्थिक प्रगति और विकास के माध्यम के रूप में पर्यटन क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए हम भारत में इसके लिए एक व्यावसायिक योजना तैयार करें।

शिक्षा को औपनिवेशिक सोच से मुक्त करना जरूरी है

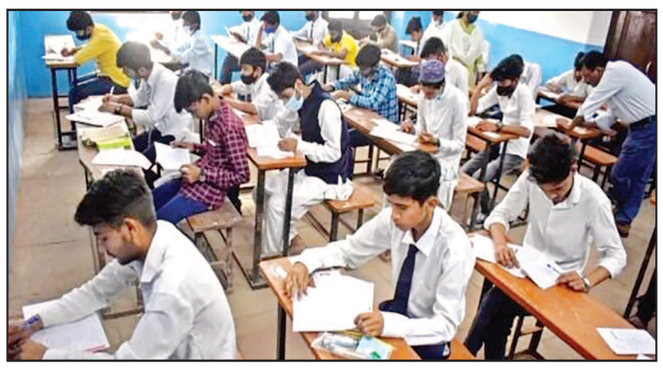

राष्ट्रीय स्वाभिमान डेस्क

औपनिवेशिक भारत में प्रमुख शिक्षा संस्थान भारतीयों को विदेशी बनने या स्वीकार्य पश्चिमी मापदंडों के आधार पर अपनी सभ्यता का परीक्षण करने के लिए प्रशिक्षित करने का कार्य करते रहे। दूसरे शब्दों में भारतीयों को यूरोपीय लोगों की तरह सोचने और बनने के लिए ढाला गया। आवरण में छद्म रूप में स्वयं को प्रोत्साहित करने का यह प्रभावी उपाय अंग्रेजों की कामयाब तजबीज थी । फिर भारतीय लोग दूसरों द्वारा पेश किए गए अमूर्त और सैद्धांतिक औजारों के साथ खुद को समायोजित करते रहे और आज भी कर रहे हैं । ऐसे में वे मनुष्य के रूप में स्वायत्त या स्वाधीन जीवन कभी नहीं जी सकते। पश्चिमी दर्शन में ढले ऐसे भारतीय यह तर्क भी देते हैं कि वह एक सार्वभौमिक वैचारिक ढांचा है और इसके फलस्वरूप अधिकांशतः यूरो अमेरिकी ज्ञान मॉडल को अपनाकर उपनिवेशीकरण की प्रवृत्ति को बढ़ाने का ही काम जारी कर रहे हैं। यूरोप समर्थित शैक्षणिक परंपरा पूरी दुनिया में दूसरों को भरसक हाशिये पर धकेलती रही है ।

स्वतंत्रता मिलने के साथ उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रयास शुरू हो गए परंतु यह बात कि औपनिवेशिक साम्राज्यवादियों से विरासत में मिली ज्ञान-प्रणालियों की जांच भी करनी चाहिए थी और उन्हें दी गयी महात्मा गांधी की चुनौती भी बिसरती गई और यह कार्य उपेक्षित ही रह गया । समसामयिक स्थिति यह है कि अनेक भारतीय संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य की वास्तविकताओं या इसकी समस्याओं को भी पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में रह कर भारतीय शोधकर्ता भारतीय दर्शन और मूल्यों की सामग्रियों और गुणों से खुद को दूर कर लेते हैं। ऐसा तब है जब ज्ञान-सृजन की आधुनिक (औपनिवेशिक!) पद्धति से बहुत पहले भारत ज्ञान-मीमांसा की दृष्टि से गंभीर चिंतन का गढ़ था। आजादी के सात दशकों के बावजूद हम उधर ध्यान न दे सके। वि-उपनिवेशीकरण का आधार भारतीय होना चाहिए इस तथ्य को पहचान कर भारत में समकालीन उच्च संस्थानों और उनके उत्पादों, अनुसंधान प्रयासों और स्नातकों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए। इस प्रसंग में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम को नवाचारों के माध्यम से सजीव करने की जरूरत बहुत दिनों से महसूस की जाती रही है परंतु कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका । यह प्रवृत्ति देशज विकास के प्रयासों में सदैव बाधक ही रहेगी ।

देश की शैक्षणिक प्रणाली पर औपनिवेशिक पकड़ को खत्म करना एक कठिन कार्य सिद्ध हुआ है। वर्तमान में कई भारतीय संस्थानों के पाठ्यक्रम भारतीय परिप्रेक्ष्य की वास्तविकताओं या इसकी समस्याओं के ज्ञान को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उच्च संस्थान प्रणालियों में भारतीय ज्ञान के वि उपनिवेशीकरण के प्रयासों को तभी स्पष्ट रूप से समर्थन दिया जा सकता है जब छात्रों को सिखाया जाए कि मौलिकता की राह पर कैसे चलें? और भारतीय स्थितियों के लिए विशेष और विशिष्ट समाधान की दिशा में कैसे सोचा जाए ? भारतीय ज्ञान के वि-उपनिवेशीकरण से ही पूर्ण स्वराज की प्राप्ति संभव होती है। नवोन्मेषी विचारों की शुरुआत करने से पहले सोचने के लिए ज्ञानमीमांसीय रूप से स्वतंत्र होना होगा। ज्ञानमीमांसीय मुक्ति मानसिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्वतंत्रता को जन्म देती है। शिक्षा के उच्च संस्थानों ने भारतीय गतिशीलता पर अपनी पकड़ खो दी है। इसका एक खास कारण है ज्ञान को समायोजित करने के लिए भारतीय भाषाओं को विकसित करने में विफलता और ठोस और अमूर्त बौद्धिक प्रयासों के शिक्षण और उपयोग में इन भाषाओं को संस्थागत न बना पाना । इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि कई देश जो तकनीकी प्रगति में छलांग लगा रहे हैं, आविष्कारों में प्रगति कर रहे हैं और अकादमिक उत्कृष्टता की सीमाओं को तोड़ रहे हैं वे ही हैं जिन्होंने अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम को अपने अनुसार अनुकूलित किया है। दुर्भाग्य से हमने अपनी सोच को उन सीमाओं के भीतर स्थापित कर लिया है जो पश्चिमी शिक्षा ने हमें दिया है या कि हम व्यावहारिक और अनुकरणीय विकल्प खोजने के लिए पर्याप्त उत्सुक नहीं हैं। चाहे जो भी हो, यूरो केंद्रित ज्ञान मॉडल में डूबने से हमारे विचारों का उपनिवेशीकरण लगातार बढ़ रहा है, और यह हमेशा विकास के प्रयासों में बाधा भी उत्पन्न कर रहा है ।

भारतीय संस्कृति के संरक्षण और समकालीन अनुसंधान और वैचारिक वास्तविकताओं में उनके समावेश के अलावा, भारतीय विश्वविद्यालयों को भारतीय प्रतिभाओं और ज्ञान मीमांसा को ईमानदारी से चित्रित करने के लिए मौजूदा पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों का विस्तार करने में सक्षम और तैयार होना चाहिए। पाठ्यक्रम भारतीय विश्व दृष्टिकोण के पीछे छिपे तर्क और तर्कों पर प्रश्न पूछने और उनका विस्तार करने में सक्षम होने चाहिए। ये पाठ्यक्रम छात्रों और लोगों की रुचि को इस तरह से आकर्षित करने वाले होने चाहिए जो केवल औपचारिकताएं न निभा रहे हों बल्कि स्वयं और राष्ट्रीय पहचान की चेतना का आह्वान कर सकें । इसके साथ ही भारतीय मनीषा और अवधारणाओं का इस तरह से प्रसार होना चाहिए कि वे हमारी जरूरतों के और चुनौतियों का सामना करने में समर्थ हो सकें। इसलिए, उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम को नए विचारों के कार्यान्वयन के माध्यम से एक नई जान फूंकने की जरूरत है। ऐसे कदम उठाना जरूरी है क्योंकि यह उन वैचारिक संरचनाओं को नया आकार देने में सहायक होगा जो वैश्विक समुदाय में भारतीयों की स्थिति को बेहतर बना सकेंगे।

नजरिया

चुनाव एक साथ कराने की चुनौतियां

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए 'एक देश, एक चुनाव' को मंजूर कर लिया है। संसद के शीतकालीन सत्र में इस बाबत बिल लाया जा सकता है। एक साथ पूरे देश में चुनाव कराने की जरूरत चुनाव आयोग भी काफी पहले से महसूस करता रहा है। उसने 1982 में तत्कालीन सरकार को लिखा भी था कि 1967 के बाद से चुनाव अलग-अलग हो रहे हैं, जिसके कारण निरंतर चुनाव की प्रक्रिया चलती रहती है, इसलिए जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम और संविधान में उचित संशोधन कर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जानी चाहिए। हालांकि, तब इस सुझाव पर राजनीतिक सहमति नहीं बन सकी और मामला जस का तस बना रहा।एक देश, एक चुनाव की उम्मीद साल 2015 में फिर से जगी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में आगे बढ़ने का भरोसा दिया। आज यदि मंत्रिमंडल ने इस पर सहमति जताई है, तो इसे सरकार की स्च्छिछा कहेंगे। मगर इस दिशा में मजबूती से तभी बढ़ा जा सकेगा, जब संसद से जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम व संविधान में संशोधन विधेयक पारित कराया जाएगा। और, यह कोई आसान काम नहीं है। दरअसल, लोकसभा और विधानसभा के ही चुनाव एक साथ कराने की बात होती, तो जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम और संविधान में कुछ संशोधनों से यह काम हो जाता। मगर कोविंद समिति की अनुशंसा के मुताबिक, स्थानीय निकायों के चुनाव भी दूसरे चरण में 100 दिनों के अंदर कराने को कैबिनेट ने मंजूरी दी है, जबकि इन संस्थाओं के चुनाव राज्य सरकार के अधीन होते हैं। पेच यहीं पर फंसेगा। मुमकिन है कि एनडीए समर्थित सरकारें तत्काल अपने यहां संशोधन कर लें, लेकिन विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारें भी ऐसा करेंगी, इस पर संदेह है। यह शक तब और गहरा जाता है, जब एक देश, एक चुनाव के विरोध में कांग्रेस, समाजवादी, तृणमूल, द्रमुक, आप जैसी करीब 15 पार्टियां खुलकर खड़ी हैं। केंद्र सरकार इस मामले में कोई एकतरफा कार्रवाई नहीं कर सकती, क्योंकि ऐसा करना राज्यों के विशेषाधिकार का हनन होगा और इससे हमारा संघीय ढांचा प्रभावित होता है।चुनाव आयोग एक साथ पूरे देश में चुनाव कराने की जरूरत इसलिए महसूस करता रहा है, क्योंकि अभी उसे अनवरत चुनाव संबंधी कामों से जूझना पड़ता है। साल 2024 में ही पहले लोकसभा चुनाव हुए, अब जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में मत डाले जा रहे हैं और वर्ष के आखिर में महाराष्ट्र, झारखंड और शायद दिल्ली में मतदान होंगे। चुनाव आयोग के पास बमुश्किल 300 कर्मचारियों की फौज है, इसलिए चुनाव के समय दिन-रात काम करना उनकी मजबूरी बन जाती है। जब कोई कर्मचारी साल भर दिन-रात काम करेगा, तो उसमें थकान होना स्वाभाविक है। इससे गलती होने की आशंका भी बढ़ जाती है, जबकि निष्पक्षता चुनाव की बुनियादी शर्तों में एक है। चुनाव-प्रक्रिया में छोटी से छोटी गलती भी कितनी भारी पड़ सकती है, इसे ऑस्ट्रिया के चुनाव से समझ सकते हैं। वहां सरकार का कार्यकाल बस खत्म होने को था, तो चुनाव आयोग ने अपनी तैयारी शुरू की। मत-पत्र चिपकाने के लिए उसने जिस गोंद की खरीदारी की, उस पर लिखा था कि यह 30 डिग्री सेल्सियस तक काम करेगा। मगर जब चुनाव हुए, तो तापमान बढ़कर 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और ऐन चुनाव के समय मत-पत्र खुलने लगे।

संक्षिप्त खबरें

स्वर्ण पदक हासिल कर आनंद ने बढ़ाया मान

परास्नातक कृषि में सर्वाधिक 95.2 सीजीपीए हासिल करने पर कुलाधिपति ने किया सम्मानित, बधाईयां देने वालों का तांता आजमगढ़।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल द्वारा आजमगढ़ निवासी आनंद यादव को स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। आंनद को यह उपलब्धि परास्नातक कृषि विज्ञान (एग्रोनॉमी) में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त होने पर मिला है। इस बात की जानकारी होने पर पैतृक गांव मार्टिनगंज क्षेत्र के बेलऊ गाव में खुशी की लहर व्याप्त है। किसान परिवार में जन्मे आनंद यादव बचपन से ही मेधावी छात्र रहे है। इनकी प्रारंभिक और दसवीं तक की शिक्षा-दीक्षा उदय स्मारक इंटर कालेज, गोठांव, आजमगढ़ में हुई। इसके बाद इंटरमीडिएट की शिक्षा अमजद अली इंटर नेशनल कालेज से उत्तीर्ण कर वे उच्च शिक्षा हेतु जनपद से बाहर चले गए। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से बीएसएसी कृषि प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर नाम रोशन किया। इसके उपरांत बलिया स्थित जननायक चन्द्रशेखर विवि से आनंद यादव ने परास्नातक कृषि में 95.2 सीजीपीए हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल किया। मेधावी आनंद यादव ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, भाई गुरूजनों को देते हुए बताया कि सिविल की तैयारी कर देश का नाम रोशन करना चाहते है। बताते चले कि आनंद यादव के पिता श्री सुनील यादव कृषक है और माता श्रीमती लीला देवी गृहणी है। वहीं इनके बड़े भाई अमित यादव लेखपाल व अजीत यादव एआरओ पद पर तैनात है। स्वर्ण पदक हासिल करने के बाद जैसे ही आनंद अपने घर पहुंचे लगातार उन्हें बधाईयां देने का क्रम जारी है। आनंद को बधाई देने वालों में डा. फूलचन्द सिंह, डा कौशल कुमार पांडेय, डा वेदप्रकाश पांडेय, प्रिंस यादव, अमन यादव, अवधेश यादव, अमरनाथ यादव, अमित यादव, अजीत यादव आदि शामिल रहे।

किसान पीजी कॉलेज का भौतिक विज्ञान विभाग डॉ. बाल गोविंद के निर्देशन में कराएगा रिसर्च प्रोजेक्ट

बहराइच। किसान पीजी कॉलेज पर भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से एक रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है इस रिसर्च प्रोजेक्ट का विषय डेवलपमेंट आफ बल्क एंड नैनो पार्टिकल्स आफ फुल ह्यूसलर एलायस फार बायोकेमिकल्स एंड स्पिनट्रानिक एप्लीकेशंस है। यह रिसर्च प्रोजेक्ट कौंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित होगा जिसके तहत 12.89 लाख रुपए की धनराशि भी कौंसिल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ के द्वारा प्रदान की गई है। यह जानकारी भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बाल गोविंद ने दी। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट को लेकर प्रारंभिक प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं।इसके तहत एक जूनियर रिसर्च अस्सिटेंट की नियुक्ति होनी है। उन्होंने बताया कि जूनियर रिसर्च अस्सिटेंट को रिसर्च प्रोजेक्ट के 2 साल तक ₹25000 प्रतिमाह तथा तीसरे वर्ष 28000 रुपए प्रतिमाह स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस पद के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों की उम्र 1 अप्रैल 2024 को 28 वर्ष से अधिक न हो तथा वह उत्तर प्रदेश के मूल निवासी होने के साथ भौतिक विज्ञान अथवा रसायन विज्ञान परास्नातक व स्नातक कक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र 15 अक्टूबर 2024 तक स्वीकार किए जाएंगे तथा साक्षात्कार कराने के लिए 25 अक्टूबर 2024 तक योग्य आवेदकों की सूची जारी कर दी जाएगी। डॉ. बाल गोविंद ने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए उनसे अथवा विभाग प्रभारी डॉक्टर किसुनवीर से संपर्क किया जा सकता है। आवेदन फॉर्म किसान पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा

बहराइच ।17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलने वाले स्वछता अभियान 'स्वभाव स्वछता, संस्कार स्वछता'के अंतर्गत गुरुवार को महिला महाविद्यालय बहराइच में प्राचार्या प्रोफेसर प्रिया मुखर्जी के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के तत्वाधान एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमृता मिश्रा निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छ्ता अभियान चलाया गया। आज परिसर को स्वच्छ करने के पश्चात पर्यावरण को सुरक्षित रखने के संकल्प को लेते हुए पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अमृता मिश्रा ने छात्राओं को पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उसे सुरक्षित का संकल्प दिलवाया।कार्यक्रम में डॉ ज्योति त्रिपाठी, डॉ सायरा खातून,डॉ प्रीति यादव आदि प्रवक्तागण उपस्थित रहे।

दुधमुंही के साथ हैवानियत वाले दरिंदे को उम्रकैद

चित्रकूट : दुधमुही बच्ची के साथ हवस का गंदा खेल खेलने वाले दरिन्दे को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। विशेष लोक अभियोजक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि बहिलपुरवा थाने में एक महिला ने 23 जुलाई 2020 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी गयी तहरीर में महिला ने बताया था कि वह अपने पति एवं ससुर के साथ 23 जुलाई 2020 को खेत में धान लगा रही थी। उसके ससुर खेत में बैलों को लेकर हल चला रहे थे और उसकी सास घर में धान के बेड उखाड रही थी। इस दौरान लाइट चली जाने पर ससुर ने उसे घर जाने के लिए कहा। जब वह घर आई और सास अपनी डेढ़ वर्षीय बेटी के बारे में पूंछा तो उन्होंने बताया कि बिटिया यहीं खेल रही थी। बिटिया को सेमरदहा गांव के टेकारी का निवासी भगवानदीन समोसा खिलाने के लिए साथ ले गया है। इसके बाद वह भगवानदीन के घर गई तो दरवाजा अन्दर से बंद था। महिला द्वारा जब दरवाजा खट खटाकर खुलवाया गया तो उसकी बेटी अन्दर रो रही थी। वहां से लेकर अपने घर अपने पर जब उसने बेटी को गोद में उठाया तो उसके नाजुक अंग से खून बह रहा था। उसकी 18 माह की बेटी के साथ भगवानदीन ने बलात्कार किया था। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जो अब तक जेल में बंद है। साथ ही न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश रेनू मिश्रा ने निर्णय सुनाया। जिसमें दोष सिद्ध होने पर आरोपी भगवानदीन को आजीवन कारावास और पांच हजार रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

खेत में लगे झटका करेंट से किसान की मौत

अमेठी। थाना मुंशीगंज के गांव घाटमपुर मजरे पश्चिम दुआरा निवासी किसान अजय कुमार (42) शुक्रवार को भोर मे अपने खेत गया। जहा पर उसे झटका करेंट लग गया। जिससे फिसलकर अपने खेत की मेड पर गिर गया। घटना की खबर परिजनो को मिली। किसान अजय कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगिरवा लेकर पहुँचे। चिकित्सक उसे मृतक घोषित कर दिए। थाना मुंशीगंज अध्यक्ष प्रेम चन्द्र ने बताया कि किसान की मौत हो गई। उसकी मौत करेंट लगने से बताई जाती है। किसान की मौत को दुखद कांग्रेस किसान जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश दूबे ने बताया है। तथा शोक प्रकट किया है।

मलखम्भ प्रतियोगित का हुआ समापन, प्रमोद कुमार हुए प्रथम

अमेठी। जनपद की रिजर्व पुलिस लाइन्स अमेठी में 03 दिवसीय 11वीं अन्तर्जनपदीय मलखम्भ प्रतियोगिता लखनऊ जोन का समापन हुआ । लखनऊ जोन के विभिन्न जनपदों की प्रतिभाग करने वाली टीमों व बैन्ड टीम द्वारा मार्च पास्ट कर पुलिस अधीक्षक अमेठी को सलामी दी गई । प्रतियोगिता में लखनऊ जोन की 6 जनपदों की टीमों द्वारा प्रतिभाग कर एक-दूसरे के लिए कड़ी प्रतिद्वन्दता प्रस्तुत कर प्रतियोगिता को उत्साहपूर्ण रोमांचक बनाया तथा अपने-अपने प्रदर्शन के द्वारा दर्शक दीर्घा में उपस्थित व्यक्तियों एवं निर्णायक मण्डल को आश्चर्यचकित कर दिया गया । निर्णायक मण्डल के निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निर्णय के उपरान्त टीम प्रतिस्पर्धा में अमेठी की टीम प्रथम स्थान, अम्बेडकरनगर द्वितीय व कमिश्नरेट लखनऊ की टीम तृतीय स्थान पर रहीं , तो वहीं एकल प्रतिस्पर्धा में आरक्षी प्रमोद कुमार जनपद अमेठी प्रथम स्थान पर, आरक्षी आकाश यादव जनपद अम्बेडकरनगर द्वितीय स्थान पर तथा आरक्षी शिवम तिवारी जनपद अमेठी तृतीय स्थान पर रहे ।

भारी गहमागहमी तथा कड़ी सुरक्षा के बीच काफी समय से प्रतीक्षित क्षेत्र पंचायत पहला की बैठक संपन्न

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

पहला सीतापुर। विकास खंड पहला के सभागार में शुक्रवार को भारी गहमागहमी तथा कड़ी सुरक्षा के बीच काफी समय से प्रतीक्षित क्षेत्र पंचायत की बैठक सम्पन्न हो गई।इस बैठक में 95क्षेत्र पंचायत सदस्यों में से 81सदस्यों तथा 91ग्राम प्रधानों में 54ने भाग लिया जिसमे क्षेत्र पंचायत सदस्यों के द्वारा अपने अपने क्षेत्र की विकास कार्यों हेतु प्रस्ताव दिए गए।इस बैठक में क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 11 करोड़ रुपये की कार्ययोजना प्रस्तावित हुई। बैठक के मुख्य अतिथि कांग्रेस गठबंधन सांसद राकेश राठौर ने कहा कि काफी समय लम्बे के बाद हुई बैठक संपन्न कराने के लिए सभी को बधाई तथा कहा कि प्रधान ग्राम विकास कार्यों की पहली सीढ़ी होते हैं। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधिओं उपस्थित रहे सांसद ने खंड विकास अधिकारी विकास कुमार सिंह को निर्देश दिया कि एक विभाग से लोगों सबसे अधिक शिकायत है। इसको संज्ञान में लेकर समाधान करवाएं। महमूदाबाद विधायक श्रीमती आशा मौर्या के पुत्र आशीष मौर्य ने आवास के लाभार्थियों की पात्रता के संबंध में जानकारी ली।

जमुनाडीह के प्रधान शंकर बक्श सिंह ने दिव्यांग को लाभ लेने की शर्ते जानने के लिए पूछा। जिसका एडीओ समाज कल्याण विवेक रावत ने जबाव दिया कि 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग को योजना का लाभ मिलेगा। प्रधान राजकुमार यादव ने प्रश्न किया कि बच्चों के नाम राशनकार्ड में सम्मिलित नहीं हो पा रहे हैं। इस पर पूर्ति निरीक्षक के के सिंह ने बताया कि वर्ष 2011 के बाद में जन्मे बच्चों को राशन कार्ड में शामिल किया जाएगा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से आई सुपरवाइजर ममता तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में 196 आंगनबाड़ी केंद्र हैं। 62 केंद्र 500 मी दूरी पर हैं। इनमें 42 पद रिक्त हैं। बीडीसी विनोद शुक्ला ने आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा पुष्टाहार वितरण पर सवाल खड़े किए। सुपरवाइजर सही जवाब नहीं दे पाई। पशुचिकित्सा अधिकारी डाक्टर विनीत कुमार ने पशु टीकाकरण एवं बीमा की जानकारी दी। एन आर पी ललितश्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री आवास योजना की जानकारी दी। प्रधान राजेंद्र कुमार ने समूहों में नाम घटाने बढ़ाने के लिए शिकायत की। बीडीसी मुनेन्द्री देवी ने बिना सहमत के नाम बदलने की शिकायत की। एन आर एल एम के बी एम एम पुष्पेन्द्र कुमार ने योजना की जानकारी दी। बैठक में सांसद मोहनलाल गंज के प्रतिनिधि खुशीराम पासी, जिला पंचायत सदस्य दुरविजय सिंह,ब्लॉक प्रमुख पहला अजय यादव प्रमुख प्रतिनिधि उपेंद्र यादव लेखाकार ललित कुमार व्यापार मंडल अध्यक्ष अनिल यादव किरन देवी, बीडीसी विजय कुमार वर्मा, अरुणेश यादव, हिमांशू श्रीवास्तव, संतोष यादव एडीओ कृषि राजकुमार, एडीओ समाज कल्याण विवेक रावत, अवर अभियंता सुंदर लाल वर्मा, प्रधान मीनू वर्मा, अंशू वर्मा, राहुल वर्मा उपस्थित रहे।तथा सुरक्षा की दृष्टि से कई थानों की फोर्स तथा 1ट्रक पी ए सी के जवान दो ड्रोन कैमरा के साथ चप्पे पर पर पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राजापुर कस्बे के रामलीला भवन में रजिस्टर्ड तुलसीकृत प्राचीन रामलीला कमेटी के तत्वावधान में विधिवत पूजा अर्चना के बाद मुकुट पूजा की गई

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

राजापुर । रामलीला कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील मिश्रा व रामलीला कमेटी के संरक्षक लक्ष्मी प्रसाद मिश्र,प्रबंधक राजकुमार उपाध्याय,कार्यवाहक अध्यक्ष सोमनाथ, सतीश चन्द्र मिश्र, अशोक द्विवेदी ,मंटू गुप्ता आदि प्रमुख लोगों की मौजूदगी में रामलीला भवन में विद्वान पण्डित गंगाप्रसाद पाण्डेय, पंडित अटल बिहारी वाजपेई विधवत मंत्रोच्चारण कर मुकुट पूजा सम्पन्न कराई । कमेटी के संरक्षक लक्ष्मी प्रसाद मिश्र ने कहा कि संत शिरोमण गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा संवत 1633 ई0में सर्व प्रथम काशी तथा द्वितीय सोपान में भगवान राम के चरित्र का मंचन गोस्वामी तुलसीदास जी के द्वारा प्रारंभ कराया गया था उस परम्परा का निर्वाह करने के लिए राजापुर नगरवासियों तथा ग्रामीणों के सहयोग की जिम्मेदारी बनती हैं उन्होंने कहा कि रामचरित मानस के सातों कांड की लीलाएं तुलसी धाम के मंच पर अनवरत 18 दिनों तक की जाती हैं और रामराज्याभिषेक के साथ लीला का समापन किया जाएगा। तुलसी जन्मभूमि राजापुर में एक ऐतिहासिक रामलीला का संदेश दूर दूर तक जाना चाहिए । इसमें जन सहभागिता की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि समाजसेवी संगठन भी अपना सहयोग भरपूर प्रदान करें तो रामलीला मैदान भवन एक ऐतिहासिक भवन बन सकता है और दूर दराज से आने वाले रामलीला दर्शकों को बैठने व देखने के लिए सुविधाएँ दी जाती है रामलीला कमेटी के प्रबंधक राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि रामलीला मंचन के लिए चुनिन्दा कलाकारों को बुलाया गया है जिससे भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम की लीलाओं का अद्वितीय मंचन देखने को मिलेगा तथा जनपद बांदा के महंत संगम लाल दीक्षित अपने कलाकारों के साथ मुकुट पूजा में अपनी सहभागिता दी है।

उक्त मुकुट पूजा में संतोष कुमार सोनी, रमन मोदनवाल ,दीपक जायसवाल, संतोष अग्रहरि, रामनरेश गुप्ता, अनिल मिश्रा, शिवबाबू तिवारी, शिवपूजन गुप्ता ,भारत जायसवाल, प्रशांत तिवारी मनोज जायसवाल, आदि नगर वासी तथा ग्रामीण अंचलों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अलग अलग दुर्घटना में महिला की मौत, दो घायल

मसौली बाराबंकी। थाना क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर हुई मार्ग दुर्घटना मे एक अर्धविच्छपित महिला की मौत हो गयी तथा एक महिला सिपाही सहित दो लोग घायल हो गये जिन्हे सीएचसी बड़ागांव मे भर्ती कराया गया हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बीती मध्य रात्रि करीब 2 बजे बाराबंकी बहराईच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम बिरौली मोड के निकट अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से एक मानसिक रूप से बीमार 40 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गयी मृतका काफी दिनो से आसपास घूमती हुई नजर आ रही थी पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दूसरी घटना शुक्रवार की दोपहर श्रावस्ती से लखनऊ जा रही कैसरबाग डिपो की रोडवेज बस नंबर यूपी 41बीटी 2512 थाना क्षेत्र के ग्राम बिन्दौरा के निकट असुंतलित होकर पेड़ से टकरा गयी बस मे भिनगा कोतवाली मे तैनात महिला सिपाही दीपिका अवस्थी पत्नी शैलेन्द्र कुमार मिश्रा निवासी गोसाईगंज लखनऊ व ग्राम चंदीपुर मजरे गणेशपुर निवासी प्रदीप कुमार पुत्र सूबेदार गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हे सीएचसी बड़ागांव मे भर्ती कराया जिनकी हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में रेफर किया गया है।

स्कूल जा रही छात्रा को ट्रक ने मारी ठोकर, मौत

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

निन्दूरा। बड्डूपुर कोतवाली क्षेत्र में साइकिल से स्कूल जा रही कक्षा 5 की छात्रा को ट्रक ने मारा ठोकर गंभीर रूप से घायल ग्रामीणों द्वारा फोन मिलाने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची तो परिजनों द्वारा इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए रास्ते में हुई मौत घर में मचा कोहराम बड्डूपुर कोतवाली क्षेत्र के मल्लावां गांव निवासी नैंसी उर्फ अंशिका 13 पुत्री रामस्वरूप शुक्रवार को सुबह घर से साइकिल से खिझना स्थिति अंबेडकर कॉलेज आफ एजुकेशन स्कूल जा रही थी तभी खिझना बड्डूपुर मार्ग अशफाक भट्टे के पास तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने छात्र की साइकिल में ठोकर मार दी जिससे छात्र गंभीर रूप से घायल ग्रामीणों के फोन मिलाने के बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची परिजनों द्वारा इलाज के लिए छात्र को जिला अस्पताल ले जा रहे थे रास्ते में उसकी मौत हो गयी।

मान्यता कक्षा 5 की, चल रहा इंटर कॉलेज- निन्दूरा क्षेत्र के खिझना स्थिति अंबेडकर कॉलेज ऑफ एजुकेशन संचालित किया जा रहा है ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल की मान्यता कक्षा 5 तक चल रहे इंटर तक जिस छात्र की सड़क हादसे में मौत हुई वह कक्षा 9 की छात्रा स्कूल जा रही थी । रजिस्ट्रेशन सीतापुर जिले में एक निजी विद्यालय में स्कूल प्रबंधक द्वारा कराया गया था ।

सड़क किनारे खड़ी कर होने के चलते सड़क हादसे में गई छात्रा की जान खिझना बड्डूपुर मार्ग पर जिस जगह पर शुक्रवार को सड़क हादसे में छात्र की जान गई उसे जगह पर मुर्गी फार्म के बाहर एक कर प्रतिदिन खड़ी रहती है जिसके चलते कई बार लोग चोटिल भी हो चुके हैं लेकिन मुर्गी फॉर्म वालें ने अब तक अपनी कर नहीं हटाई।

पुलिस टीम ने एक अन्तर्राज्जीय गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार

» 21 किलो 20 ग्राम अवैध गांजा व मोटरसाइकिल बरामद

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी एवं क्षेत्राधिकारी नगर राज कमल के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह एवं उनकी टीम द्वारा एक अन्तर्राज्जीय गांजा तस्कर को 21 किलो 20 ग्राम अवैध गांजा व 01 मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया।

उल्लेखनीय है कि आज दिनाँक 26/27.09.2024 की रात्रि समय लगभग 01.05 बजे थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह तथा उनकी टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मड़फा फतेहगंज तिराहा से हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल रजि0 नं0 यूपी 90 एबी 2683 पर सवार अभियुक्त सुरेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 रामआसरे उम्र करीब 44 वर्ष निवासी फतेहगंज थाना फतेहगंज जनपद बांदा को गिरफ्तार किया गया। जामा तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 21 किलो 20 ग्राम गांजा बरामद हुआ। अभियुक्त से कड़ाई से पूंछताछ की गयी तो बताया कि मैं यह गांजा उड़ीसा राज्य से लाया हूं तथा जनपद चित्रकूट, जनपद बांदा, जनपद कौशाम्बी, जनपद फतेहपुर एवं म0प्र0 के सतना व पन्ना जिले में सप्लाई करता हूं। बरामदशुदा गांजे की कीमत लगभग 05 लाख 30 हजार रुपये करीब है। बरामदशुदा मोटरसाइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया तथा बरामदशुदा गांजा के सम्बन्ध में थाना भरतकूप में अभियुक्त सुरेश कुमार गुप्ता उपरोक्त के विरुद्ध मु0अ0सं0 144/2024 धारा 08/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण:- सुरेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 रामआसरे उम्र करीब 44 वर्ष नि0 फतेहगंज थाना फतेहगंज जनपद बांदा

बरामदगी:-

(द्व).21 किलो 20 ग्राम गांजा (कीमत लगभग 05 लाख 30 हजार रुये)

(द्वद्व).हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल रजि0 नं0 यूपी 90 एबी 2683

गिरफ्तारी करने वाली टीम:-

1.थानाध्यक्ष भरतकूप प्रवीण कुमार सिंह

2.उ0नि0 राहुल कुमार पाण्डेय

3.उ0नि0 यू0टी0 उत्कर्ष कुमार सिंह

4.आरक्षी सतीश यादव

5.आरक्षी रणवीर सिंह

6.आरक्षी संदीप कुमार

किन्हौली के अमृत तालाब को देख बीडीओ हुए गदगद

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

रामनगर। किन्हौली ग्राम पंचायत में बने अमृत तालाब व स्कूल का बीडीओ ने निरीक्षण किया।तालाब का सुंदरी करण कार्य व रखरखाव देख खुशी जताई। शुक्र्वार को बीडीओ जितेंद्र कुमार ,जॉइंट बीडीओ नंद कुमार पांडेय दोपहर किन्हौली के अमृत तालाब पंहुचे जंहा चारो ओर लगे फूल पौधों, लगी लाइटें,फुटपाथ,पौधों की सिंचाई व्यवस्था के लिए जगह जगह लगी टोटी आदि देख प्रसन्नता जताई।यंहा पानी तालाब में भरा है तथा किनारे किनारे हट भी बने है व पाइप का जाल भी है। बीडीओ ने तालाब के अंदर की घास हटाने को कहा ताकि और अच्छा लगे। उन्होंने पूर्व माध्यमिक विद्यालय व मनरेगा पार्क का भी निरीक्षण किया।इस अवसर पर ए डी ओ कृषि दलवीर सिंह,प्रधान दिनेश सिंह,सचिव निखिल कनौजिया, राजा सिंह आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों की नजर के सामने, सरकारी जमीनों पर कब्जा

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

अमेठी। जनपद की नगर पंचायत अमेठी का बुरा हाल है यहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं है चाहे वह सरकारी जमीन पर कब्जा हो अथवा रास्ते पर अतिक्रमण हो जामा की समस्या हो पानी निकासी किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को नजर नहीं आ रहा है , जाम आए दिन की बात हो गई है तालाबों पर कब्जा हर तरफ खुलेआम हो रहा है, सोखता गड्ढे का बुरा हाल है नगर पंचायत अमेठी के 80त्न तालाब समाप्त हो चुके हैं,

वाहरे अमेठी के नेता, और जिम्मेदार अधिकारी,

हल्की सी एक दिन की बारिश ने सारी पोल खोल कर रख दी,

जब आप नहीं है सुरक्षित तो दूसरो को कैसे करेगें सुरक्षित, जब आपका ही घर पानी से लबालब भरा है तो आम लोग कहा जायेंगे।कोतवाली सीओओ आफिस निबंध आफिस सहित कई जिम्मेदारों के आफिस में घुसा पानी, जनपद के नगरपालिका एवं नगरपंचायत के दावे हवा हवाई, साबित हो रहे हैं, एसडीएम अमेठी के आवास तक जलभराव होता है। ज्यादा समस्या पर साहब होटल की शरण लेते रहे हैं,लेकिन कभी किसी एसडीएम ने आवास के पीछे लगातार तालाब पर हो रहे अतिक्रमण की सुधि नहीं ली। शिकायतों पर भी नहीं होती है कार्रवाई,

कोई दरखास लिख कर लाए तो कुछ सोचे। यही हाल तहसीलदार अमेठी के आवास के पीछे स्थित तालाब का है। जो कि कब आबादी की सूरत ले चुका है। बीते दिनों पावर हाउस के पास तालाब एवं सोखता गड्ढे पर अतिक्रमण की शिकायत हुई थी। एडीएम अमेठी ने संज्ञान लिया और काम बंद हो गया। लेकिन तहसील प्रशासन के मौके पर नाप के बगैर ही लेखपाल की रिपोर्ट एवं नगर पंचायत की मिली भगत से खुलेआम तहसील प्रशासन के सामने सरकारी जमीन पर कब्जा होगा नजर आ रहा है।

चोरों की धमाचौकड़ी से दहशत में ग्रामीण दे रहे पहरा

औरास,उन्नाव। चोरों की धमाचौकड़ी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। क्षेत्र में हुई घटनाओं व अफवाहों के बाद गांवों में लोग रात में जाग कर पहरा दे रहें हैं और संदिग्ध लोगों पर नज़र बनाए हुए हैं। जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र अंतर्गत मिर्जापुर अजिगांव में अजय जयसवाल ने घर के आस पास अजनबी लोगों को देर शाम टहलते देखा लेकिन पड़ोसी रिश्तेदार समझ कर नज़र अंदाज कर दिया । घर के पीछे हलचल होने की सूचना पर छत पर अज्ञात लोगों को कूद कर भागता देख शोर मचा दिया। ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना पर पहुंची 112 व थाना पुलिस ने पीड़ित से घटना की जानकारी ली और सतर्क रहने को कहा। ग्रामीणों की सजकता ने चोरों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। इन दिनों सोशल मीडिया पर अन्य गांवों में भी चोरों की अफवाह पर ग्रामीण रात को जागने पर विवश हैं। पुलिस द्वारा रात्रि गस्त होने की मांग की है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की डीएम ने ली बैठक

बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात सुदृढ़ीकरण, सिटी प्लानिंग आदि की विस्तृत की गयी समीक्षा

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

उन्नाव। कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर की उपस्थिति में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात सुदृढ़ीकरण, सिटी प्लानिंग आदि की विस्तृत समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों यथा राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर गड्ढामुक्ति, ब्लैक स्पॉट के चिन्हीकरण व सुधार, ई-रिक्शा के पड़ाव व उनके संचालन, दुर्घटना प्रभावित क्षेत्रों में एम्बुलेंस की उपलब्धता, डग्गामार/अनाधिकृत वाहनों के संचालन, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता, सिटी प्लानिंग के तहत आईबीपी चैराहे के निकट वेन्डिग जोन का निर्माण, बस स्टैण्ड की शिफ्टिंग, पुराने अस्पताल का ध्वस्तीकरण व पार्किंग निर्माण एवं एस0पी0 कार्यालय के निकट फूड पार्क निर्माण आदि की प्रगति के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली गयी। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनपद में चिन्हित किए गए 34 ब्लैक स्पॉटस पर आवश्यक कार्य जैसे बार मार्किंग, स्पीड ब्रेकर, लाइट की व्यवस्था, हाईमास्ट, साइन बोर्ड, रम्बल स्ट्रिप आदि निर्धारित मानकों के अनुसार तुरन्त पूर्ण करा लिए जाएं। शहर में जामिंग की समस्या को रोकने के लिए ई-रिक्शों का संचालन निर्धारित रूट पर ही कराया जाए। डग्गामार/अनाधिकृत वाहनों के संचालन पर पूर्णतया रोक लगायी जाए तथा ओवरलोडिंग को प्रतिबन्धित किया जाए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि आईबीपी चैराहे के निकट वेन्डिग जोन निर्माण तथा बस स्टैण्ड शिफ्टिंग का कार्य प्रगति पर है। जल्द ही कार्य पूर्ण होने पर रेहड़ी, पटरी व ठेले वालों को वेन्डिंग जोन व फूड पार्क में शिफ्ट कराया जायेगा। इससे शहरवासियों को जामिंग की समस्या से निजात मिलेगी तथा यातायात की व्यवस्था में भी सुधार होगा।

एक साल पूर्व बनी एसपी कार्यालय से एसपी आवास तक की सड़क ध्वस्त

उन्नाव। डीएम आवास से एसपी आवास तक बनी डामरीकृत सड़क एक साल के अंदर गड्ढों में तब्दील हो गई। इस सड़क को पीडब्लू डी ने स्वयं बनवाई थी। इस सड़क पर जिले के आलाधिकारी के देखरेख में ठेकेदार सड़क बनाते है ऐसे में जब यह सड़क गड्ढों में तब्दील हो जाए तो सड़के कैसे ठीक रहेगी। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जब ठेकेदारों से खुलेआम कमीशन का खुले आम कमीशन लिया जायेगा तो सड़क कहा से ठीक रहेगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय टीम के निरीक्षण से पूर्व तैयारी में जुटा रहा विभाग

राष्ट्रीय स्वाभिमान संवाददाता

मसौली बाराबंकी। अपर सचिव,एन एच एम भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम शनिवार को जनपद में आ रही है। टीम आयुष्मान आरोग्य सेन्टरों , सीएचसी बड़ागांव, ड्रग वेयरहाउस मसौली सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण करेंगे। जिसकी तैयारी को लेकर शुक्रवार को स्वस्थ विभाग मुस्तैदी से जुटा था। अपर सचिव,एन एच एम भारत सरकार की टीम शनिवार को जनपद में आ रही है। टीम बंकी के आयुष्मान सेन्टर इसके बाद सीएचसी बड़ागांव और ड्रग वेयरहाउस मसौली इसके बाद प्रतापगज के आयुष्मान सेन्टर इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उधौली और टिकैत गंज के आयुष्मान सेन्टर का निरीक्षण करके टीम अयोध्या के लिए निकल जायेंगी। जिसकी तैयारी शुक्रवार को सीएचसी बड़ागांव सहित अन्य स्थानों पर साफ-सफाई एवं अन्य तैयारी विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी जुटे हुए थे।

न्यूज डायरी

बारिश की वजह से घर गिरा

विजयीपुर, फ्तेहपुर। विजयीपुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम खेमकरनपुर व गोदौरा गांव में लगातार हो रही बारिश की वजह से घर गिर गया है। जिससे घरेलू सामान दब गया है खेमकरनपुर निवासी श्याम किशोर सिंह का बारिश की वजह से घर गिर गया है वही ग्राम गोदौरा में संगीता देवी स्व0 संगम लाल का बारिश की वजह से मकान गिर गया है। दोनों लोगों ने मुख्यमंत्री आवास योजना के लिए गुहार लगाई है। वही गोदौरा प्रधानपति राजपति व लेखपाल द्वारा मौके में निरीक्षण कर जल्द ही आवास दिलाने का भरोसा दिया है।

सात पर धारा 170 की कार्रवाई

फ्तेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आधा दर्जन से अधिक लोगों पर धारा 170 बीएनएस की कार्रवाई की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थरियांव थानाध्यक्ष ने एक तथा मलवां थानाध्यक्ष ने छह लोगों के खिलाफ धारा 170 की कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया।

प्रेमनगर में मेले में उमड़ा लोगों का हुजूम

प्रेमनगर, फ्तेहपुर। ऐरायां ब्लॉक के प्रेमनगर कस्बे में दो दिवसीय ऐतिहासिक मेले का आयोजन किया गया। जोकि शुक्रवार से लेकर शनिवार तक मेला रहेगा। मेला देखने के लिए आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से भी लोग मेला देखने पहुंचे। सुबह से ही ऐतिहासिक मेला देखने वाले लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। जोकि दोपहर बाद मेले में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। छोटे-छोटे बच्चे, बड़े, बुजुर्ग सहित महिलाओं ने भी मेले में घूम-घूमकर मेले का आनन्द लिया। लोगों ने गुड और शक्कर की जलेबी खाकर खूब मेले का आनन्द लिया। इतना ही नहीं लोग अपने-अपने घरों में भी जलेबियां खरीदकर ले गए। छोटे-छोटे बच्चों ने अपने मनपसंद के खिलौने जमकर खरीदे। वहीं महिलाओं ने भी घरों में इस्तेमाल होने वाली रोजमर्रा की चींजे खरीदकर अपने घर लेकर गई। मेले में लगने वाले झूलो में नन्हे-नन्हे बच्चों ने खूब झूलकर झूले का आनन्द लिया। वहीं मेले में तरह-तरह की दुकानें भी लगी हुई थी। जो मेले में आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। मेले में तरह तरह की सजावटे भी देखने को मिली। मेले में आए हुए लोगों के साथ कोई अभद्रता न कर सके इसके लिए मेला कमेटी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी जगह-जगह मौजूद रहे। वहीं मेले के पहले ही दिन ही सुबह से लेकर शाम तक रुक-रुककर बारिश भी होती रही। लेकिन मेला देखने वाले लोगों की भारी भरकम भीड़ लगी रही।

पुलिस ने लाखों की कीमत के 125 मोबाइल किए बरामद

फ्तेहपुर। जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुम हुए लाखों की कीमत के 125 मोबाइलों को पुलिस ने बरामद किया है। एसपी ने सभी मोबाईलो को उनके मालिकों को वापस किया है। मोबाइल पाकर उनके चेहरे खिल उठे। पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि खोये हुये 125 मोबाइलो को जिनकी कीमत लगभग 32 लाख रुपये है को सर्विलांस टीम ने बरामद किया है। मोबाईलो को उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपा गया है। एसपी ने बताया की पिछले कई महीनों से लोगो के महंगे मोबाईल गुम हो गए थे गुम होने की अप्लीकेशन पर प्रभारी सर्विलांस सेल तारा सिंह पटेल और उनकी टीम को मोबाईल खोजने की जिम्मेदारी दी गई थी। टीम ने कड़ी मेहनत के बाद गुम हुए मोबाईल खोज लिए जिन्हें शुक्रवार को उनके स्वामियों को सौंपा गया है।

भारत में पोर्न स्टार का काम करने वाली रिया बर्डे निकली बांग्लादेशी, उल्हासनगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जसवंत ढकोलिया

उल्हासनगर : पोर्न स्टार रिया बर्डे, जिन्हें आरोही बर्डे और बन्ना शेख के नाम से भी भारतीय पोर्न इंडस्ट्री में जाना जाता है, महाराष्ट्र के उल्हासनगर स्थित हिल लाइन पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारत में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है. इस मामले में आईपीसी 420, 465, 468, 479, 34 और 14 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है. रिया पर आरोप है कि वह मूल बांग्लादेशी है और वह, उसकी मां, भाई और बहन फर्जी दस्तावेज बनाकर भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं. खास बात यह है कि बांग्लादेशी होने के बावजूद भारतीय कागजात बनाने के लिए रिया की मां ने अमरावती के एक शख्स से शादी की थी. फिलहाल इस मामले में पुलिस ने रिया के अलावा उसकी मां अंजली बर्डे उर्फ रूबी शेख, पिता अरविंद बर्डे, भाई रविंद्र उर्फ रियाज शेख और बहन रितु उर्फ मोनी शेख को भी आरोपी बनाया है. हिललाइन

पुलिस ने बताया कि, गिरफ्तार रिया कई प्रोडक्शन हाउस से जुड़ी हुई थी और उसने कई पोर्न फिल्मों में काम किया है. इस मामले में बिजनेस मॅन राज कुंद्रा का नाम सामने आ रहा था सिनियर पीआय अनिल जगताप ने बताया की सभी एंगल से जांच की जा रही है जो भी जांच होगी उसे हम बताएंगे।इसके अलावा रिया अपने आरोही नाम से भी पोर्न इंडस्ट्री में जानी जाती है. पूरे मामले की जांच करने वाले पुलिस सब-इंस्पेक्टर संग्राम मालकर ने बताया कि जांच में रिया की मां अंजली बांग्लादेश की रहने वाली है और वह अपनी दो बेटियों रिया और बेटे के साथ भारत में अवैध रूप से रह रही थी. रिया की मां ने पश्चिम बंगाल का होने का दावा करते हुए अमरावती निवासी अरविंद बर्डे से शादी की और बाद में खुद और बच्चों के लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारतीय नागरिक का पासपोर्ट बनवा लिया, ताकि वह अपनी भारतीय पहचान साबित कर सके.

पुलिस ने पाया कि रिया की मां और पिता दोनों फिलहाल कतर में रह रहे हैं, जबकि पुलिस उसके भाई और बहन की भी तलाश कर रही है. पुलिस ने बताया कि रिया को पहले मुंबई पुलिस ने वेश्यावृत्ति से जुड़े एक मामले में अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था. पूरा मामला तब सामने आया जब रिया के दोस्त प्रशांत मिश्रा को पता चला कि वह मूल रूप से बांग्लादेश की रहने वाली है और देश में अवैध रूप से रह रही है. उन्होंने पुलिस में उसकी शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने उसके दस्तावेजों की जांच की और पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश किया.

महावितरण ने नवरात्रि उत्सव मंडलों से आधिकारिक बिजली कनेक्शन लेने की अपील की

कल्याण/भांडुप: सार्वजनिक नवरात्रि उत्सव बोर्डों को रियायती दरों पर अस्थायी आधार पर उपलब्ध आधिकारिक बिजली कनेक्शन का लाभ उठाना चाहिए। साथ ही, महावितरण ने उत्सव मंडलों से उत्सव के दृश्यों, मंडपों, प्रकाश व्यवस्था और बिजली सुरक्षा में त्रुटियों के कारण संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीर कदम उठाने की अपील की है। महावितरण घरेलू बिजली उपभोक्ताओं की दर पर नवरात्रि उत्सव मंडलों को सकता है। इसे रोकने के लिए, तारों को हटा दिया जाना चाहिए या उपयुक्त क्षमता के इन्सुलेशन टेप से ढक दिया जाना चाहिए। स्विचबोर्ड के पीछे प्लाईवुड या लकड़ी का बोर्ड लगाना चाहिए। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि बिजली की निम्न दाब, उच्च दाब लाइनें और नवरात्रि उत्सव और जुलूस के दृश्यों को न छूएं। महोत्सव में बिजली आपूर्ति व जेनरेटर के लिए अलग-अलग न्यूट्रल रखना जरूरी है। यदि बिजली की आपूर्ति बंद होने

बिजली आपूर्ति प्रदान करेगी। त्योहार की अवधि के दौरान संभावित खतरों से बचने के लिए विद्युत व्यवस्था का उचित ध्यान रखने की अपील की है। मंडप और प्रकाश व्यवस्था के लिए विद्युत व्यवस्था और सेटअप केवल अधिकृत विद्युत ठेकेदारों द्वारा ही किया जाना चाहिए। मंडप में विद्युत प्रणाली की अर्थिंग अच्छी स्थिति में हो। यदि सर्कल के अंदर तारों का इन्सुलेशन क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो ऐसे तारों के माध्यम से मंडप की लोहे की चादरों या गीली वस्तुओं में करंट प्रवाहित हो पर जनरेटर चालू किया जाता है, तो एक भी न्यूट्रल जनरेटर में बिजली को कम दबाव वाली लाइन में प्रवाहित करता है और घातक दुर्घटनाओं का कारण बनता है।नवरात्रि उत्सव के पदाधिकारियों को संबंधित क्षेत्र में महा वितरण इंजीनियरों और कर्मचारियों के मोबाइल फोन नंबर रखने चाहिए। शिकायतों या तत्काल सहायता की आवश्यकता के मामले में, महावितरण ने 1800 212 3435 या 1800 233 3435 पर संपर्क करने की अपील की है जो 24 घंटे उपलब्ध हैं।

गोरखपुर में जन्में और महाराष्ट्र को अपनी कर्मभूमि बनाने वाले मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष एवं युवा हिंदूवादी राजनेता, आचार्य पवन त्रिपाठी जी को श्रीसिद्धिविनायक गणपति मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष पद पर आज नियुक्ती की गयी बधाई देने में अपना पूर्वांचल अध्यक्ष अशोक दुबे भाजपा नेता प्रमोद मिश्रा.

कानपुर के श्रीरामानुग्रह आश्रम में बहेगी श्रीमद्भागवत कथा की अमृत धारा

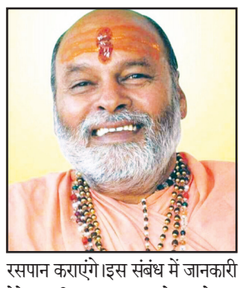

मुम्बईः कानपुर के ईश्वरी गंज में स्थित श्री रामानुग्रह आश्रम विठुर में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विनय स्वारूपानंद सरस्वती महाराज के मार्गदर्शन में 9 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन ब्रह्मलीन स्वामी प्रेमानंद सरस्वती जी की पुण्य स्मृति में किया गया है। कथाकार अप्रमेय प्रपन्नाचार्य महाराज अपने श्रीमुख से 7 दिन तक श्रोताओं को 'श्रीमद्भागवत कथा' का

रसपान कराएंगे।इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक एवं श्री रामानुग्रह आश्रम के परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी विनय स्वारूपानंद सरस्वती महाराज ने बताया कि संत सम्मेलन विशाल भंडारा का आयोजन 16 अक्टूबर शरद पूर्णिमा के दिन किया जायेगा। इस धार्मिक कार्यक्रम में कानपुर के विभिन्न क्षेत्रों से अनेक विलक्षण महापुरुष एवं विशिष्ट जन शामिल होंगे। महामंडलेश्वर स्वामी ने सभी कानपुर वासियों व मुंबई के अपने अनुवाइयों से आग्रह किया है कि इस आयोजन में पूर्ण मनोयोग से जुड़े एवं जन जन को कथा के बारे में अवगत करायें।

बालकुम तरण तालाब खोलने को लेकर विधायक संजय केलकर का 1 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम

30 करोड़ खर्च, फिर भी नागरिक इस सुविधा से हैं वंचित

ठाणेः 30 करोड़ की लागत से निर्मित बलकुम स्थित धर्मवीर आनंद दिघे तरण तालाब पिछले दो वर्षों से बंद है। इस सुविधा का लाभ ठाणेकरों को नही मिल पा रहा है। 1 अक्टूबर तक तालाब को न खोलने पर नागरिकों को साथ लेकर तरण तालाब का उपयोग करने का अल्टीमेटम भाजपा विधायक

संजय केलकर ने प्रशासन को दिया है।उल्लेखनीय है कि बलकुम स्थित तरण तालाब का उद्घाटन वर्ष 2022 में किया गया था। अंतराष्ट्रीय स्तर के इस तरण तालाब के निर्माण पर 30 करोड़ रुपया खर्च किया गया था। इसके निर्माण में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगने के कारण इसे बंद रखा गया है। इसका लाभ नागरिकों को नही मिल रहा है। अपने विधान सभा क्षेत्र में स्थित इस तरण तालाब का चार से पांच बार दौरा कर नागरिकों के लिए खुला रखने की मांग विधायक संजय केलकर कई बार कर चुके हैं और अधिकारियों के भ्रष्ट कारगुजारियों पर अपना आक्रोश भी व्यक्त कर चुके हैं। भाजपा विधायक संजय केलकर ने मनपा अधिकारियों के साथ एक बार फिर तालाब का दौरा किया और अधिकारियों को जमकर क्लास लगाई। इस तरण तालाब के निर्माण में कमियों और उससे जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की उन्होंने मांग की। इतना ही नही अक्रोशित केलकर ने अब 1 अक्टूबर तक तरण तालाब को खोलने की डेड लाइन फिक्स कर दी है। इसके बाद नागरिकों को साथ लेकर तरण तालाब का उपयोग करने की भी चेतवानी भी दे दी है। इस अवसर सार्वजनिक बांधकाम विभाग के कार्यकारी अभियंता कलाल, उप अभियंता रोहित गुप्ता, उपायुक्त मीनल पालांडे, तरण तलाव विभाग एवं प्रभाग समिति के संबंधित अधिकारी, भाजपा रवी रेड्डी, ?ड.हेमंत म्हात्रे, तन्मय भोईर, भानुदास भोईर, भावेश पाटील, अनुराधा रोकडे, मेघनाथ घरात सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी द्वारा उद्घाटन किया गया कलाभवन पिछले कुछ वर्षों से दुरावस्था का शिकार हो कर धूल खा रहा है। ठाणे शहर सांस्कृतिक है। यहां अनेक कलाकार और कला रसिक नागरिक रहते हैं। कलाभवन की मरम्मत कर ठाणेकारों के लिए फौरन उपलब्ध कराने की मांग संजय केलकर ने अधिकारियों से की। कामों में हुए भ्रष्टाचार की वजह से इस तरह के अनेक वस्तु धूल खा रहे हैं। अपने इस दौरे के दौरान यह जानकारी भी संजय केलकर ने दी।

वविश में दुर्गा पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना जरूरी, वसई विरार पुलिस ने जारी किया दिशा-निर्देश

प्रेम चौबे/राष्ट्रीय स्वाभिमान

विरार : दुर्गा पूजा के अवसर पर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत विरार पुलिस स्टेशन में शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता परिमंडल 3 उपायुक्त जयंत बजबले, सहायक पुलिस आयुक्त बजरंग देसाई और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पवार, सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष सोलनकर, विरार एटीसी पुलिस उप निरीक्षक अनिल लोंढे, ने की, जिसमें आयोजकों और

स्थानीय नागरिकों को दिशा-निर्देश दिए गए। पवार ने बताया कि इस वर्ष विरार पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कुल 2058 सार्वजनिक, 70 निजी पंडाल, फोटो गरबा 55 स्थापित किए जा रहे हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा। साथ ही साउंड सिस्टम की आवाज नियंत्रित रखी जानी चाहिए और दांडिया कार्यक्रमों को समय पर समाप्त करना अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, पंडालों में जनजागृति कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव भी दिया गया। ऐसे में पालिका सहायक आयुक्त विक्टर डिसूजा और कर्मचारी उपस्थित थे।

एडवोकेट रवि जाधव ने सैकड़ों लोगों को कांग्रेस में शामिल कराया

मुंबईः मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षाताई गायकवाड और दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष रवि बावकर की मौजूदगी में एडवोकेट रवि जाधव ने सैकड़ों लोगों के साथ ही बंजारा समुदाय के युवा नेता संतोष चव्हाण और बंजारा समुदाय के नेता नायक कारभारी और सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे। इस अवसर पर

ने कांग्रेस पार्टी में शामिल कराया, जिससे कोलाबा कांग्रेस मजबूत हुई । फिरदोशिया फाउंडेशन के असलम शेख और कई महिला पदाधिकारियों मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा ताई एआईसीसी सचिव यूबी वेंकटेश की उपस्थिति में रतन देवासी ने पार्टी में शामिल हुए।

पातली पाड़ा में किया जाएगा रामलीला का मंचन, गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति का हुआ गठन

ठाणेः मुंबई एवं ठाणे में रामलीला का आयोजन बड़े पैमाने पर किया जाता था लेकिन दर्शकों की रूचि में कमी एवं अन्य कारणों से रामलीला की संख्या लगातार कम हो रही है। ठाणे शहर में फ़िलहाल केवल इंदिरानगर में रामलीला का आयोजन होता आ रहा है। इस साल से उत्तर भारतीय बाहुल्य घोडबंदर रोड के पातली पाड़ा में रामलीला का मंचन किया जाने वाला है। जिसको लेकर गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति का गठन किया गया है और अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा को दी गयी है। घोडबंदर रोड के पातलीपाड़ा, मानापाड़ा, आजादनगर, ढोकाली ,मनोरमा नगर एवं आस-पास के इलाके में उत्तरभारतीयों की संख्या बहुत अधिक है। मनोरमानगर में पहले रामलीला का आयोजन किया जाता था लेकिन कुछ कारणों की वजह से इसका आयोजन पिछले कई सालों से बंद है। रामलीला के आयोजन को लेकर गत दिवस उत्तर भारतीय समाज के गणमान्य व्यक्तियों की बैठक हुई जिसमें गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। पूर्व नगरसेवक संजय पांडेय, उद्योगपति पंकज मिश्र , सुरेंद्र उपाध्याय, मोहन तिवारी, ओ के मिश्रा, प्रेम शुक्ला, के एस तिवारी, गुलाब दुबे, शशी कुमार यादव को समिति का संरक्षक चुना गया है। विजय मिश्र को अध्यक्ष बनाया गया है जबकि उपाध्यक्ष पद पर प्रभाकर तिवारी, विरेंद्र पांडे, बबलू मिश्रा एवं सुरेंद्र मिश्र को चुना गया है. साथ ही सुनील मिश्र, विनोद दुबे, राजेश पाठक, नरेंद्र मिश्र को कार्याध्यक्ष एवं अरुण तिवारी को महासचिव बनाया गया है। रामसजीवन दुबे, उदयभान पांडेय एवं महावीर पैनोली मंच संचालन करेंगे. कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी अमित सिंह एवं उप कोषाध्यक्ष प्रदीप पांडेय व गोपाल पांडेय को बनाया गया है। प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी महेंद्र मणि पांडेय, दिनेश शुक्ला, शिवा मिश्रा को सौंपी गयी है। बी पी सिंह, अरविंद मिश्र, के पी मिश्र, संतोष मिश्र, विकास सिंह आशुतोष तिवारी जैसे अन्य लोगों को अलग -अलग जिम्मेदारी दी गयी है.

10 हजार लाडली बहनों को साड़ी और सूट बाटेंगे एसएम खान, प्रमुख अतिथि के रूप में शामिल होंगे देवेंद्र फडणवीस

मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसएम खान द्वारा 5 अक्टूबर, शनिवार की शाम को ओशिवरा मेट्रो स्टेशन के पास स्थित म्हाडा ग्राउंड पर

आयोजित कार्यक्रम में 10 हजार महिलाओं को मुफ्त साड़ी और सूट का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अमृता ताई फडणवीस तथा मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट आशीष शेलार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश महासचिव संजय केनेकर, मुंबई महासचिव संजय उपाध्याय, स्थानीय विधायक भारती ताई लवेकर, अल्पसंख्यक मोर्चा के महाराष्ट्र अध्यक्ष इदरीश मुल्तानी, भाजपा की महिला प्रदेश अध्यक्ष चित्राताई वाघ, महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष एजाज देशमुख अल्पसंख्यक मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष वसीम खान कार्यक्रम में शामिल होंगे। अपने जोगेश्वरी पश्चिम स्थित कार्यालय पर आयोजित पत्रकार परिषद में एसएम खान ने उपरोक्त जानकारी दी।

इंद्राणी मुखर्जी को यूरोप जाने की अनुमति रद्द

मुंबईः बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या की आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को यूरोप जाने की अनुमति देने वाले विशेष अदालत के आदेश को रद्द कर दिया।बॉम्बे हाईकोर्ट ने 12 अगस्त को मुखर्जी की यात्रा पर अंतरिम रोक को 27 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अपनी पिछली सुनवाई में, बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुखर्जी से कहा था कि यदि संभव हो तो वह स्पेन और यूनाइटेड किंगडम में अपना बैंक का काम भारत से ही पूरा करें। अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से यह भी कहा था कि यदि मुखर्जी का काम वास्तविक और

प्रामाणिक है तो वह उनकी विदेश यात्रा पर विचार करे।बॉम्बे बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपनी पिछली सुनवाई में केंद्रीय जांच ब्यूरो से यह भी विचार करने को कहा था कि क्या बैंक के काम के लिए मुखर्जी की यूरोपीय देशों में शारीरिक उपस्थिति की आवश्यकता है। अदालत ने मुखर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति मांगते समय विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो अदालत के समक्ष आवेदन में बताए गए काम से अधिक काम न जोड़ने की चेतावनी भी दी थी।

खदान में डूबने से दो बच्चों की मौत, भारी बरसात की वजह से खदान मे भरा पानी

वसईः वसई-विरार शहर में एक के बाद एक खदानों / तलाबो में डूबने से मौत के मामले सामने आ रहे हैं। वसई पूर्व के नवजीवन में एक खदान में दो बच्चे डूब गए। घटना गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे की है. मृतक बच्चों के नाम नसीम रियाज अहमद चौधरी (13), सोपान सुनील चव्हाण (14) हैं. वसई पूर्व के नवजीवन इलाके में खदानें हैं। बरसात का मौसम होने के कारण इन खदानों में पानी भर गया है। गुरुवार की दोपहर गांगडीपाड़ा के रहने वाले चार-पांच लोगों की टोली नहाने के लिए खदान में गयी थी. नहाने के दौरान नसीम और सोपान

दोनों पानी के भराव में खदान में डूब गये. इसकी जानकारी जैसे ही आसपास रहने वाले नागरिकों को मिली तो उन्होंने बच्चों को बाहर निकाला और इलाज के लिए रेंज नाका स्थित प्लेटिनम अस्पताल में भर्ती कराया। नाक और मुंह से पानी बहने के के कारण डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उक्त मामले में वालिव पुलिस स्टेशन में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है. चिंता व्यक्त की गई है क्योंकि मानसून की शुरुआत के बाद से शहर में नदियों, तलावों, खदानों, झरनों में डूबने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

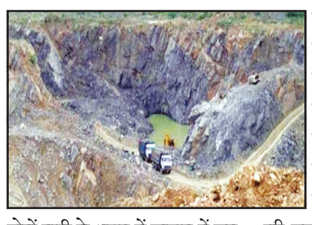

अवैध पाइपलाइन बिछाने पर सायजिंग कंपनी के मालिक और मैनेजर पर मामला हुआ दर्ज

भिवंडीः भिवंडी शहर में पानी चोरी का संगीन मामला सामने आया है। जहां एक बड़ी सायजिंग कंपनी ने पालिका प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक सड़क और नालों का बेजा इस्तेमाल करते हुए अवैध पाइपलाइन बिछाई। इस घटना ने न सिर्फ शहरवासियों को चौंका दिया है बल्कि पानी की चोरी के बढ़ते मामलों पर भी सवाल खड़े कर दिए है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रुंगठा सायजिंग के मालिक सुनील रुंगठा और मैनेजर देवेंद्र वासुदेव मेहता ने बिना किसी पूर्व अनुमति के सार्वजनिक सड़क की खुदाई कर उसे नुकसान पहुंचाया। साथ ही नालों और गटरों के माध्यम से पानी की चोरी करने के उद्देश्य से पाइपलाइन बिछाई। महानगरपालिका की सतर्क टीम ने इस अवैध गतिविधि का पर्दाफाश करते हुए तुरंत कड़ा कदम उठाया। महानगर पालिका के पानी आपूर्ति विभाग ने इस गैरकानूनी कार्य पर सख्त रुख अपनाते हुए 24 सितंबर 2024 को भारतीय दंड संहिता (ँ.ॅ.ए. 2023) की धारा 324 (4),324 (5), 326 (उ) और 326 के तहत मामला दर्ज कराया है। इस मामले में भिवंडी शहर पुलिस ने भी तेजी से कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। पालिका

सुत्रों की माने तो महानगरपालिका के आयुक्त अजय वैद्य के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। कार्यकारी अभियंता संदीप पटणावर और उप-अभियंता सर्फराज अंसारी के नेतृत्व में पर्यवेक्षीय अधिकारी सायराबानो अंसारी, पथक प्रमुख विराज भाईर और सहायक पथक प्रमुख नफीस मोमिन की टीम ने इस कार्रवाई को सफलता पूर्वक अंजाम दिया है। शहर के नागरिकों ने इस कार्रवाई का स्वागत किया है। पानी जैसी अमूल्य संसाधन की चोरी से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान हो रहा था,बल्कि शहर में पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही थी। पालिका प्रशासक के जल आपूर्ति विभाग के अधिकारी ने बताया की इस कदम ने पानी चोरों के लिए एक कड़ा संदेश दिया गया है। ऐसे गैरकानूनी कार्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। महानगरपालिका प्रशासक ने स्पष्ट कर दिया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। भविष्य में भी सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। इस मामले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि कानून का पालन न करने वालों के खिलाफ प्रशासन की नजर हमेशा बनी रहती है और उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

महिला ने मांगा तलाकः पति ने पत्नी के चेहरे पर तेजाब डाल दिया

मुंबई : तलाक मांगने पर पति ने पत्नी के चेहरे पर तेजाब डाल दिया। घटना महाराष्ट्र के मलाड की है। 27 वर्षीय महिला ने अपने पति के दूसरी महिला से संबंध होने के आधार पर तलाक मांगा। महिला को यह भी पता चला कि पति नशे का आदी है। इसके बाद उसने तलाक मांगा। पति के विवाहेतर संबंध के बारे में पता चलने के बाद महिला पिछले 3 महीने से अपनी मां के साथ रह रही है। इसी बीच 34 वर्षीय आरोपी आया और उसने तेजाब डाल दिया। महिला के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। युवक बेरोजगार है। दोनों ने प्रेम विवाह किया है।

मालिक जयेश जग्सी गाला हेतु **प्रकाशक-मुद्रक** अश्विनी कुमार दुबे द्वारा मोदी प्रिंटर्स, 24, बोमनजी लेन, फोर्ट, मुंबई-400001 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कराकर महाराष्ट्र ग्रेन स्टोर्स, 28, डॉ. भगवानदास इंद्रजीत रोड, वॉलकेश्वर, मालबार हिल, मुंबई - 400 006 से प्रकाशित किया. **R.N.I. No. : MAHHIN/2008/24084. Email : rastriyaswabhimaan@gmail.com.** **संपादक :** अश्विनी कुमार दुबे (मो. 9224733113), **कार्यकारी संपादक :** अरविंद मिश्रा (पिंटू), **सह संपादक :** सुजीत मिश्रा. **राष्ट्रीय स्वाभिमान में सभी लोग सहयोगात्मक और अवैतनिक है। (पी.आर.बी. अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी, न्याय क्षेत्र मुंबई होगा).**